



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 441]

नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 26, 1981/अश्विन 4, 1903

No. 441]

NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 26, 1981/ASVINA 4, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1981

सां० 719(अ).—औद्योगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन नियम, 1952 में और यशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 30 की उपधारा (1) द्वारा यथा अपेक्षित भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) की अधिसूचना संख्या सां० 300(अ) तारीख 14 अप्रैल, 1981 के अधीन भारत के राजपत्र, भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 14 अप्रैल, 1981 के पृष्ठ 513 पर प्रकाशित किया गया था, जिसमें उक्त अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के साठ दिन की अवधि की समाप्ति के पूर्व उन सभी व्यक्तियों से आक्षेप या सुझाव मांगे गए थे, जिनके उक्त प्रभावित होने की संभावना थी;

और उक्त राजपत्र 29 मई, 1981 का जन्म को उपलब्ध करा दिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार को उक्त प्रारूप की बाबत कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, औद्योगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन नियम, 1952 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम औद्योगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन (संशोधन) नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. औद्योगिक उपक्रमों का रजिस्ट्रीकरण और अनुज्ञापन नियम, 1952 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 3, में:—

(i) उपनियम (1) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(1) किसी विद्यमान औद्योगिक उपक्रम के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग), नई दिल्ली को उक्त उपक्रम के संबंध में, अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन नियत अवधि की समाप्ति के कम से कम तीन मास पूर्व, ऐसे प्रारूप में और उतनी प्रतियों सहित जो उक्त मंत्रालय द्वारा विनिर्दिष्ट की जाएं, किया जाएगा:—

परन्तु कोई आवेदन जो समय के भीतर नहीं किया गया है, उस दशा में उक्त मंत्रालय द्वारा ग्रहण किया जा सकता है जब आवेदक उस मंत्रालय का यह समाधान कर दे कि समय के भीतर आवेदन न करने का पर्याप्त कारण था।”

(ii) उपनियम (1ख) का लोप किया जाएगा,

(iii) उपनियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“(2) प्रत्येक आवेदन के साथ वेतन और लेखा अधिकारी, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली के पक्ष में, भारतीय स्टेट बैंक, निर्माण भवन, नई दिल्ली पर लिखा गया 500 रु० का फ़ास मांग देय ड्राफ्ट होगा।”

3 उक्त नियम के नियम 7 में, उपनियम (3) के स्थान पर, निम्नलिखित उपनियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“(3) प्रत्येक आवेदन के साथ वेतन और लेखा अधिकारी, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली के पक्ष में, भारतीय स्टेट बैंक, निर्माण भवन, नई दिल्ली पर लिखा गया 500 रु० का फ़ास मांग देय ड्राफ्ट होगा।”

4 उक्त नियम के नियम 19ख के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्—

“19ख रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र या अनुज्ञप्ति, यावत् का खो जाना जहाँ इन नियमों के अधीन अनुवर्त रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, अनुज्ञप्ति, या अनुज्ञा खो जाती है, नष्ट हो जाती है, या विरूपित हो जाती है वहाँ उसकी दूसरी प्रति वेतन और लेखा अधिकारी, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग), भारत सरकार, नई दिल्ली के पक्ष में भारतीय स्टेट बैंक, निर्माण भवन, नई दिल्ली पर लिखा गया 25 रु० का फ़ास मांग देय ड्राफ्ट प्राप्त होने पर अनुदत्त की जा सकती है।”

5 उक्त नियम से संलग्न प्रारूप “क” और प्रारूप “ख” का लोप किया जाएगा।

6 उक्त नियम से संलग्न प्रारूप “ग” में मंत्र 4 के पश्चात् निम्नलिखित मंत्र जोड़ी जाएगी, अर्थात्—

“उपक्रम तहसील जिला राज्य” ।
का अवस्थान

[फाइल सं० 12/5/80-एल० पी]

एस० एल० कपूर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY (Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th September, 1981

G.S.R. 719(E).—Whereas certain draft rules further to amend the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952 were published as required by sub-section (1) of section 30 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), at page 514 of the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 14th April, 1981 under the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department

of Industrial Development) No S.O. 300(E), dated the 14th April, 1981, inviting objections or suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of a period of sixty days from the date of publication of the said notification in the Official Gazette;

And whereas, no objections or suggestions have been public on the 29th May, 1981;

And whereas, no objections or suggestions have been received by the Central Government on the said draft;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 30 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1961), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952, namely:—

1 (1) These rules may be called the Registration and Licensing of Industrial Undertakings (Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In rule 3 of the Registration and Licensing of Industrial Undertakings Rules, 1952 (hereinafter referred to as the said Rules)—

(i) for sub-rule (1), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(1) An application for the registration of an existing industrial undertaking shall be made to the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Government of India, New Delhi, at least three months before the expiry of the period fixed under sub-section (1) of section 10 of the Act in relation to that undertaking in such form and with such number of copies thereof as may be specified by the said Ministry;

Provided that an application which is not made in time may be entertained by the said Ministry, if the applicant satisfies that Ministry that there was sufficient cause for not making the application in time.”;

(ii) sub-rule (1B) shall be omitted;

(iii) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(2) Such application shall be accompanied by a crossed demand draft for Rs. 500 drawn on the State Bank of India, Nirman Bhavan, New Delhi, in favour of the Pay and Accounts Officer, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Government of India, New Delhi.”.

3. In rule 7 of the said rules, for sub-rule (3), the following sub-rule shall be substituted, namely:—

“(3) Each application shall be accompanied by a crossed demand draft for Rs. 500 drawn on the State Bank of India, Nirman Bhavan, New Delhi, in favour of the Pay and Accounts Officer, Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Government of India, New Delhi.”.

4. For rule 19B of the said Rules, the following rule shall be substituted, namely :—

“19B. Loss of Registration Certificate or Licence, etc.

Where a registration certificate, a licence or a permission granted under these rules is lost, destroyed or mutilated, a duplicate copy may be granted in receipt of a crossed demand draft for Rs. 25 drawn on the State Bank of India, 1”
Bhavan, New Delhi, in favour of the Pa
Accounts Officers, Ministry of Industry (I

ment of Industrial Development), Government of India, New Delhi.”.

5. From ‘A’ and From ‘B’ appended to the said Rules shall be omitted.

6. In form ‘C’ appended to the said Rules, after item 4, the following item shall be added, namely :—

| | | | |
|--------------|--------|----------|---------|
| “Location of | Tehsil | District | State”. |
| Undertaking | | | |

[File No. 12/5/80-LP]
S. L. KAPUR, Jt. Secy.

